R-471
11/08/16

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक(उच्च शिक्षा),उ0प्र0,
शिक्षा डिग्री विकास/क्षे0का0इ0 अनुभाग,
इलाहाबाद।

सेवा में,

1. समस्त प्राचार्य/प्राचार्या,
   शासकीय, अशासकीय महाविद्यालय,
   उत्तर प्रदेश।
2. समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,
   उत्तर प्रदेश।

पत्रांक डिग्री विकास/क्षे0का0इ0/ /2016–17 दिनांक 03-8- ,2016

विषयः–स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त, 2016 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा महोदय का संदेश विषयक।

महोदय,

आगामी 15 अगस्त 2016 को मनाये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा महोदय के संदेश की एक प्रति आपके पास इस आशय से प्रेषित है कि कृपया उक्त अवसर पर अपने संस्था/महाविद्यालय/कार्यालय में होने वाले समारोह में इस संदेश को पढ़कर सुनाने का कष्ट करें।

Agency 2015

संलग्नक–शिक्षा निदेशक(उ0शि0),उ0प्र0,
के संदेश की एक प्रति।

भवदीय,

(पन्ना लाल)
सांख्यिकी शोध अधिकारी
कृते शिक्षा निदेशक(उच्च शिक्षा)
उ0प्र0, इलाहाबाद।

पृ0सं0डिग्री विकास/क्षे0का0इ0/ 1243-306 /2016–17 उसी तिथि को।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. कुलसचिव, राज्य विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
2. निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, लखनऊ।
3. पुस्तकालयाध्यक्ष राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी, इलाहाबाद।

Agency 2015 College Login upload

11/8/2016

(पन्ना लाल)
सांख्यिकी शोध अधिकारी
कृते शिक्षा निदेशक(उच्च शिक्षा)
उ0प्र0, इलाहाबाद।

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2016

निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश का सन्देश

'स्वतन्त्रता' लोकतन्त्र की आत्मा होती है। स्वतन्त्रता के अभाव में मानवीय गरिमा एवं मूल्यों की परिकल्पना सम्भव नहीं है। 70वें स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पावन पर्व पर उच्च शिक्षा विभाग के प्राचार्यो, प्रबन्धकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अभिभावकों, छात्र/छात्राओं सम्मानित नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए देता हूँ। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देकर स्वतन्त्रता दिलाने वाले वीर अमर सपूतों को नमन करते हुये तथा उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते हुये मुझे अत्यन्त गर्व की अनुभूति हो रही है।

प्रदेश के समग्र एवं नियोजित विकास में उच्च शिक्षा का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार करने तथा सुगठित नियोजन की दृष्टि से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित उत्कृष्ट कार्यक्रमों को अंगीकृत करके गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा सुलभ कराने हेतु शासन कृत संकल्प है। उच्च शिक्षा के अन्तर्गत व्यवसायोन्मुखी पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने तथा पूर्व से प्रचलित परम्परागत पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत व्यवसायपरक शिक्षा प्रदान करने हेतु पाठ्यक्रमों को अद्यावधिक करके न्यूनतम साझा पाठ्यक्रम तैयार कराने की कार्यवाही की जा रही है ताकि छात्रों का कौशल विकास किया जा सके और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा सकें। इस प्रकार समय की आवश्यकता के अनुरूप औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कुशल स्नातक तैयार किये जा सकेंगे।

प्रदेश में छात्र/छात्राओं की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुये प्रदेश सरकार ने 03 राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना की कार्यवाही की है, जिनमें इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में अध्ययन/अध्यापन कार्य आरम्भ हो चुका है तथा जनपद बलिया में राज्य विश्वद्यालय की स्थापना की कार्यवाही प्रकियाधीन है।

राज्य उच्च शिक्षा के संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु अनुदान एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश शासन द्वारा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के कार्यों के संचालन हेतु राज्य परियोजना निदेशालय का गठन किया गया है। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा चिन्हित न्यून सकल नामांकन दर वाले 41 जनपदों में से 26 जनपदों में नये मॉडल राजकीय

राजकीय महाविद्यालयों में ई–लाइब्रेरी की स्थापना हेतु आवश्यक संसाधन/उपकरण उपलब्ध कराये गये है। इन संसाधनों के द्वारा महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को ई–बुक्स/ई–पाठ्य सामग्री एवं ई–लाइब्रेरी की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के प्रयास किये जा रहे है। वित्तीय वर्ष 2016–17 में राजकीय महाविद्यालयों की लाइब्रेरी एवं कॉमन रूम में वाई–फाई की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रू0 250.00 लाख का बजट प्राविधान किया गया है।

लिंगदोह समिति की संस्तुतियों के अनुसार प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराये जाने के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या–सी0एम0–8/सत्तर–1–2012 दिनांक 21.03.2012 द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों के क्रम में शासनादेश दिनांक 15.01.2016 द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश निर्गत किये जा चुके है।

उच्च शिक्षण संस्थाओं में शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि हेतु स्नातक स्तर पर एक समान न्यूनतम पाठ्यक्रम निर्धारित किए जाने हेतु पाठ्यक्रम परिवर्द्धन किया जा रहा है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों एवं छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उच्च शिक्षा विभाग ने शिक्षकों एवं छात्रों के कल्याण एवं गुणात्मक शैक्षणिक परिवेश के उन्नयन को दृष्टिगत रखते हुये उपरोक्त अनेकों कल्याणकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों को लागू किया है, जिससे प्रदेश के शिक्षक एवं छात्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में स्वयं को अग्रणी पंकित में रख सके।

स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पावन पर्व पर उच्च शिक्षा विभाग के समस्त प्राचार्यों, प्रबन्धकों शिक्षकों, शिक्षाविदों, अधिकारियों, कर्मचारियों अभिभावकों एवं छात्र/छात्राओं को पुनः एक बार अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ तथा आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप अपनी सम्पूर्ण क्षमता, योग्यता एवं निष्ठा से राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देगें। इस 70वें स्वतन्त्रता दिवस के पावन पर्व पर हम सभी प्रण लेते है कि देश की अखण्डता, सम्प्रभुता, बन्धुतता तथा विविधता में एकता रूपी विश्व की प्रमुख संस्कृतियों में से एक भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की गौरव पताका को सम्पूर्ण विश्व में फहराने के लिये अपने तन, मन एवं धन को न्योछावर करने को सदैव तत्पर रहेंगें।

जय हिन्द।

जय भारत।।

डा0 (आर0पी0 सिंह)
निदेशक, उच्च शिक्षा
उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।